उद्घाटन

“उर्दू शायरों और साहित्यकारों की फोटो गैलरी का उद्घाटन”

दिनांक 24. 12. 2025

पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती के पूर्व संध्या पर डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के उर्दू विभाग में उर्दू के प्रसिद्ध साहित्यकारों और शायरों की फोटो गैलरी का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर मिश्री लाल तथा प्रबंधक माननीय अजीत कुमार सिंह के कर-कमलों द्वारा किया गया।



इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर मिश्री लाल ने कहा कि किसी भी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार और शायर किसी भी देश की सांस्कृतिक और साहित्यिक निर्माता होते हैं। उनके योगदान और निशानियों को सुरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है,चाहे वे साहित्यिक रचनाएँ हों या चित्र। साहित्यकारों और शायरों की फोटो गैलरियाँ केवल तस्वीरों का संग्रह नहीं होतीं,बल्कि साहित्य, इतिहास और संस्कृति का एक दृश्य अभिलेख (विज़ुअल आर्काइव) होती हैं। साहित्यिक व्यक्तित्वों की तस्वीरें अतीत को वर्तमान से जोड़ती हैं और भविष्य को संवारने का कार्य करती हैं।



इस प्रकार की गैलरियाँ साहित्यिक और शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ बनाती हैं तथा नई पीढ़ी को साहित्यिक विरासत से जोड़ने का दायित्व निभाती हैं। इससे विद्यार्थियों में जिज्ञासा,रुचि और चिंतन का विस्तार होता है।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत में उपहार स्वरूप पौधे भेंट किए गए। अतिथियों का स्वागत डॉ. शमशीर अली, उर्दू विभाग ने किया। इस अवसर पर कॉलेज की संयुक्त उप-प्राचार्य प्रोफेसर संगीता जैन व प्रोफेसर राहुल उपस्थित रहें, इसके अलावा प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, डॉ. तरु सिंह के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थीं।



شعبۂ اردو، ڈی اے وی پی جی کالج، وارانسی میں اردو شعرا و ادبا کی فوٹو گیلری کا افتتاح

وارانسی / پنڈت مدن موہن مالویہ کے یوم پیدائش کے موقع پر شعبۂ اردو، ڈی اے وی پی جی کالج وارانسی میں اردو کے معروف ادبا و شعرا کی فوٹو گیلری کا افتتاح کالج کے پرنسپل پروفیسر مشری لال اور مینیجر عالی جناب اجیت کمار سنگھ کے ہاتھوں کیا گیا۔ اس موقع پر کالج کے پرنسپل جناب



پروفیسر مشری لال نے کہا کہ کسی بھی زبان کے معروف ادبا و شعرا کسی بھی قوم کی تہذیبی و ادبی معمار ہوتے ہیں۔ ان کے نشانات اور خدمات کو محفوظ رکھنا نہایت ضروری ہے، خواہ وہ ادبی نگارشات ہوں یا تصاریر۔ ادبا و شعرا کی فوٹو گیلریز محض تصویروں کا مجموعہ نہیں ہوتیں بلکہ ادب، تاریخ اور تہذیب کا ایک بصری دستاویز (Visual Archive) ہوتی ہیں۔ ادبی شخصیات کی تصاویر ماضی کو حال سے جوڑتی ہیں اور مستقبل کو سنوارنے کا کام کرتی ہیں۔ اس طرح کی گیلریز سے ادبی و علمی فضا ہموار ہوتی ہے اور نئی نسل کو ادبی وراثت سے جوڑنے کا فریضہ انجام دیتی ہیں۔ اس سے طلبہ کے اندر تجسس و رغبت اور فکر میں وسعت پیدا ہوتی ہے۔ اس سے قبل مہمانوں کا استقبال کیا گیا اور تحفے کی شکل میں پودے دیے گئے۔ مہمانوں کا استقبال ڈاکٹر شمشیر علی نے کیا۔ اس موقع پر کالج کے مشترک نائب پرنسپل پروفیسر سنگیتا جین و پروفیسر راہل کے علاوہ پروفیسر سنجے کمار سنگھ و ڈاکٹر تروسنگھ کے ساتھ طلبہ و طالبات کی کثیر تعداد موجود تھی۔